No. of Printed Pages : 3 **BSKC–133**

# स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य) (संस्कृत)

## (बी.ए.जी.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## बी.एस.के.सी–133 : संस्कृत नाटक

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

---

**खण्ड—क**

**(व्याख्या आधारित प्रश्न)**

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

2×15=30

(क) अयशसि यदि लोभः कीर्तयित्वा किमस्मान्

किमु नृपफलतर्षः किं नरेन्द्रो न दद्यात्।

अथ तु नृपतिमातेत्येष शब्दस्तवेष्टो

वदतु भवति ! सत्यं किं तवार्यो न पुत्रः ? ॥



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

**अथवा**

वनगमननिवृत्तिः पार्थिवस्यैव ताव–

न्मम पितृपरक्ता बालभावः स एव।

नवनृपतिविमर्शे नास्ति शङ्का प्रजाना–

मथ च न परिभोगैर्वञ्चिता भ्रातरो मे॥

(ख) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुदवती मे

दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा।

इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य

दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि॥

**अथवा**

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे

विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला।

तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं

मम विरहजां न त्वं वत्से शुचं गणयिष्यसि॥

**खण्ड—ख**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

2. राजशेखर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 5

3. नाटक के 'कथानक' का विवेचन कीजिए। 5



Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. 'प्रतिमानाटकम्' के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

5. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में प्रकृति का मानवीकरण किस प्रकार किया गया है ? स्पष्ट कीजिए। 5

6. संस्कृत नाटकों के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए। 5

## खण्ड—ग

## (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न मतों का सविस्तार उल्लेख कीजिए। 10

8. 'प्रतिमानाटकम्' के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए उसकी कथावस्तु का वर्णन कीजिए। 10

9. 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' सूक्ति को विस्तार से समझाइए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$3 \times 5 = 15$

(क) पूर्वरङ्ग

(ख) सूत्रधार

(ग) भरतवाक्य

(घ) विषकम्भक

× × × × ×



Downloaded from www.IGNOUBABA.com